

लिवाक १२५ यथाय यथा आदाव आहुवा नयि रुवा राव वर्ष १ मुखया नन क ह्व
ष्टिवा रा म रुषं वर्ष ११ मदा वाधि भय नय न वर्ष ३२ सान वाय नय भक्त नय नमः
रुषं वर्ष ७५ वाक दंद नय भक्त नय अतिवा ल नय थ न म रु म मा ल क या न ड य
य द वा ल य स रु ल आदि न ध म सा वा स वा छा या व व नी ल न का य वै न क र्म
या य व ल्या व न सा नि श्व मि क र्म अग्नि य जा दान वि य स म र्म रु क डा थ न न म का
ल म रु न ना स य न म आ य व र्ष ६० थ न स्वा य डा र म न ला या मु क मु क वा व थ दि न ष

नमस्तुदिनमस्तुसमाय॥ ॐ ॥ मथनश्चक्रयार्थवनालविसागिसूद्रगुयी
 तिदेवमाननिध्वनदवनापिगनायनिश्वकुमसवादानाकसकाककसत्वगाः
 यदाकृत्तुयथितिसृताडुदछिनद्याचक्रुथतियविकावनजाकृशमः
 चाभुर्कृत्तुसिधवासियवियुर्धुयुभादिकवलर्वगर्गकृत्तुतथमथथमलागिः
 कलाकनमानयायवासनिचक्रुत्तुकाकयकयकुवालखसदधिलिथ्यं तशधनरु
 नलायवाकृदयभवावर्चिताववनथिचमिठुथिचरुनालसमुचाछियकाधनः

रुशमागायिरुवादिकोक्तकथासंविद्यासंज्ञागिकवृत्तादभूतिमानिमहा
 वसद्धासमायलसत्रसधनसागावतिलकथानखालसगलसुक्तिमसलादा
 गिसथगितिलकथानसप्रयविश्रुलंखसप्रथमित्यादुवातयिगुत्तुकिमकृच्छि
 नागवर्ष१कृच्छिनागवर्ष२वैसयोक्कृच्छिनागवर्ष३नागावर्ष४नागावर्ष५
 नागावर्ष६नागावर्ष७नागावर्ष८नागावर्ष९नागावर्ष१०नागावर्ष११
 नागावर्ष१२नागावर्ष१३नागावर्ष१४नागावर्ष१५नागावर्ष१६नागावर्ष१७
 नागावर्ष१८नागावर्ष१९नागावर्ष२०नागावर्ष२१नागावर्ष२२नागावर्ष२३
 नागावर्ष२४नागावर्ष२५नागावर्ष२६नागावर्ष२७नागावर्ष२८नागावर्ष२९
 नागावर्ष३०नागावर्ष३१नागावर्ष३२नागावर्ष३३नागावर्ष३४नागावर्ष३५
 नागावर्ष३६नागावर्ष३७नागावर्ष३८नागावर्ष३९नागावर्ष४०नागावर्ष४१
 नागावर्ष४२नागावर्ष४३नागावर्ष४४नागावर्ष४५नागावर्ष४६नागावर्ष४७
 नागावर्ष४८नागावर्ष४९नागावर्ष५०नागावर्ष५१नागावर्ष५२नागावर्ष५३
 नागावर्ष५४नागावर्ष५५नागावर्ष५६नागावर्ष५७नागावर्ष५८नागावर्ष५९
 नागावर्ष६०नागावर्ष६१नागावर्ष६२नागावर्ष६३नागावर्ष६४नागावर्ष६५
 नागावर्ष६६नागावर्ष६७नागावर्ष६८नागावर्ष६९नागावर्ष७०नागावर्ष७१
 नागावर्ष७२नागावर्ष७३नागावर्ष७४नागावर्ष७५नागावर्ष७६नागावर्ष७७
 नागावर्ष७८नागावर्ष७९नागावर्ष८०नागावर्ष८१नागावर्ष८२नागावर्ष८३
 नागावर्ष८४नागावर्ष८५नागावर्ष८६नागावर्ष८७नागावर्ष८८नागावर्ष८९
 नागावर्ष९०नागावर्ष९१नागावर्ष९२नागावर्ष९३नागावर्ष९४नागावर्ष९५
 नागावर्ष९६नागावर्ष९७नागावर्ष९८नागावर्ष९९नागावर्ष१००

इयं रुद्राय नमः आयुर्वर्ष ३० दिवं तिथिं मरुदुममालक्या नवे रायुजावे राधाय म
 थवा सिव धाय नव द्ध विधानया या थया नव के जाग मयु जा अग्नियु जा दान विधय वत्स
 र्वेन सर्वे रागय मम निय नम आयु मरु माय मा स रुद्र यद्रु स निधव वाव मरु निरु
 दिन रुव नि ॥ मय स मा फ ॥ ॐ ॥ **॥ पूर्वरात्रि निरुद्र कथा दिना लक्ष्मी सम रुद्रः**
 मम स देव राव रुद्रा दि देव रा लो रु वा दान म वि स त्व म नु या स न द कि न द
 व मा दि रुद्र सिं ध से ॥ वा सि य वि य र्क्षे न म मा जा न यं दि रुद्र व व नः ॥ ॥

यल सय कला न र्क्ष ३ दयु श रा गिरु य म रु र्व रु म्नी य न य ध रा व वा वै व दान स आ नंदः
 धि व व व न मा सि वि ख क र्मा नि दान य ध क म ल क र्म शि र वा द स न स मि त्वा किं त्वा
 क स्या न स व स मे ध न स म रु व स आ नंद थ र स न सः क न स वि वः दे व क ल का धि व
 रु द्ध क ना ना धि क या य ल्वा य या य वि ख म स धि धि व द व नि थ या रु ध र्म सि ल मि रु
 य नि सं क ल्पान या य ध न र्व रु म म रु का र्क्ष स वि श्र ना म था न वा रु व नि जाल क र्म रु
 धि क क र्मा या य थ र ग्ध रा व कि ल क था न ग ल य रु म पा थ सः रु ल स रु स रु द्ध रु

दसदाथसथमिसाविनसप्रयर्थाविवयविनधर्कदवयुज्ञालघसविताधर्कथमिस
 प्रपलिक्रमावविनाःवाःदधलिःयालवायथमिनयययधादुपिगवागधि
 वाराविनाशायाकदसयगणाकभुकातमकुवर्षमहावाधिरुयवर्ष१२
 मृमिसालनमहादधवर्ष२८कामकातवर्ष३८कृष्टिवागभूमिसालवर्षथमिः १६
 मृमस्वातकयाकदयकदवदयकदवथायनायायवाजायुजायायभूमिः
 युज्ञासंगमिसधावनियाथयायकवल्गार्वनयायकृगयातवलिदद्याकृयव

दुर्थःदसमःआगमनवागुआळर्धैयैमृमःयधुमकार्याकार्यसर्व
 सिधियाःगनीयःनकादसगसनरुनःनतजिनाःनवमसर्वसंगदधधम
 सफा मदेसर्वार्थनामनं॥०॥मिगमयविज्ञा॥ ॐ ॥गनमय१धनवः
 ख२सदकमिधुन३वधुवार्वा८४मनसिंदुंमकुर्वन०जायाकुलनंमृदुः
 विदु८धर्मधन२कर्ममक१०आयवृंम११वायमीन१२॥विदु०कर्म१०च
 दा॥१गमनकादि०मनि०च३॥मृगि३वाकथ०ग॥वधुएवान०मृव

स्यागमनकादिर्गवाव नि२ आदित्य १२ कार्षाविनासकथ्य न॥ वसु७ वद४ मः
 वनकादिर्गत्वंदि कांश्व धर्मं ग॥ उं स दवाथ डी ३ नमस्वादा ॥ ००० निहादस लग्न
 धां ध ध यविक्ता ॥ ००० ॥ अष्टवर्गमंगल ॥ ॥ उं स कं चैट नै यै यं न चाष्टमाकः
 ग उं नि कामर्गय आ गच्छ २ हं हं हं स्वाहा ॥ ॥ उं स क चैट नय थ स थ स्वाहा ॥ ॥ धा २१
 ख व स्वा स लीं जो य ॥ ॥ थन ऊडा ला दा न व जा कि जा दा उः ऊ धर्मं गः
 वसधिया उ ग मि श्व धन ॥ ॥ उं उं व स्वादा ॥ ॥ उं यूर्व ००० दाय स कः द कि न

१६

अ आ र कानथिय काश स्वय रु ली ॥ १ ॥ थिल भा थ थं डाल ॥ २ ॥ थि
 ठ वं व ल सा क म द ॥ ३ ॥ थिल सा ल स डाल ॥ ४ ॥ थिल भा छ स द ॥
 क वा ह ॥ ५ ॥ थिल सा थ थं डाल ॥ ६ ॥ थिल सा छ स म द ॥ ७ ॥ थिल
 कन मय विष्ट सा थ थं डाल ॥ थ नि न ॥ ८ ॥ थिल सा क म द ॥ ९ ॥ थिल भा
 उल सिंह मिथ ॥ थिल सा रं क म द ॥ थ च का या ख ॥ स ल म ड म मा क रु ली ॥
 रल धन कर्क

नमो भगवते
 नमः ॥

॥ शुक्ल ॥ ॥ श्री नमो व दया पु न्न ॥ य न म भव न या नाम का य ॥ सा म ज्ञा स चा य

७३

५४ मरुवक्रविद्या लम्भा
२८५ यावदिह समाप्ता ॥

[illegible]

॥ ३१ ॥ मुख्यज्ञानिस्तु लनमालः यथाक्रममनकयमुवचनरुनांः यथनकयाशः कथ
नयूठमलुगथं वथा विदुः ॥ ॥ सूर्यकुलः खलकुलः सूर्यकुलखलनवः मञ्जुषट्टिः
वअसूर्यः खलकनायसाम्यगि ॥ ३२ ॥ सूर्यकि कदूर्जनरुक्कः सूर्ययासिनंदूर्जनअगि किक
गथयालसाः मकगवाधिनसूर्यवअयायकिशः दूर्जनरु नवअयायमकिश ॥ ॥ रुमिद
रुसरुअनः अगुरुरुनयाकिनः अरुनादअरुरुनः दअरुगानदूर्जन ॥ ३३ ॥ ॥ किसि

८२

अदालिह कृयावकथानं १००० सलशभगलिह कृयावकथानं १००० दृष्टशमि कृयावकथानं
 १००० नशदसत्यागयानां गिनियावकथानं ॥ ॥ रुकिनाकसुरुसनः काकिरुसनवाकिः
 नः भृजीभागुदरुसनः खरुसनदुर्जन ॥ ३३ ॥ किमिशिअं कसुशनः सलशवायुनका ॥ ३२
 नः दृष्टशशयकथानः दुर्जनशखशकथानं ॥ ॥ दुर्जनयकिरुसुवाः आसुलालं
 कृयायदिः मलिनालं कृयासुयकिमशनरयंकव ॥ ३५ ॥ दुर्जनकृयालालनकागः

३२

दाखककलाययशकः थनयाननं गालनमाल ॥ ॥ अथयानागथामः
 काः गावाश्वेवसुगिवकः गथानकयुवादाभीः दृष्टशयववकथान ॥ ३४ ॥ सुवय
 लानसगयः किमिशिअययाशकनकः सुवायुशकसाः लालगामदुमिसाः थनयाननः
 गालनमाल ॥ ॥ दुर्जनकसुदामिगुयवस्यामिवगामुयगाकिहवकुकिहवः
 दृष्टशयविवकथान ॥ ३५ ॥ दुर्जनसदानं मिगुयादृशकः भवयास्वामिखः

८५

याशरुशक्तिसिमाः किंचिद्विस्तृता लशमननरोयाशरुक्तः धर्मयाननं गोलेन
माल ॥ १ ॥ नविस्वास्तदमिगुसः मिगुस्वायिनविश्वसुतकदाविगुक्रियः
तामिगुसर्वगुर्ययकाअयत ॥ ४९ ॥ १ ॥ वविशविश्वसुयायमनेशः मिगुशविश्वसु
सतशः कदाविगुमिगुगमचा लनाशः समस्तगुफखयकासयायिगु ॥ १ ॥
नविश्वसुनविश्वसुविश्वसुनेवविश्वसुतः विश्वसादयमूत्यानः मूलानेवनकगतिः

४५